Barnebøker for Norge

barneboker.no

दादी माँ के केलें / Bestemors bananer

Skrevet av: Ursula Nafula
Illustret av: Catherine Groenewald
Oversatt av: Nandani (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.
https://creativecommons.org/licenses/by/3.0/deed.no

दादी माँ के केलें

Bestemors bananer

Ursula Nafula
Catherine Groenewald
Nandani
hindi / bokmål
nivå 4

(uten bilder)

दादी माँ का बगीचा सुंदर था, ज्वार, बाजरा और कसावा से भरा हुआ। उनमें से सबसे अच्छा केला था। दादी माँ के बहुत सारे नाती-पोते थे, सबको नहीं पता था लेकिन मुझे पता था कि मैं उनकी लाडली थी। वह कई बार मुझे अपने घर बुलाती। वह मुझे अपने छोटे राज़ भी बताती। लेकिन उनका एक राज़ था जो वह मुझे से नहीं बताती :वह था कि वह केलें कहा पकाती है।

• • •

Bestemors kjøkkenhage var full av durra, hirse og maniok. Men best av alt var bananene. Selv om bestemor hadde mange barnebarn, visste jeg i all hemmelighet at jeg var favoritten hennes. Hun inviterte meg ofte hjem til seg. Hun fortalte meg også små hemmeligheter. Men det var én hemmelighet hun ikke delte med meg: hvor hun modnet bananene.

उस शाम को मुझे मेरी माँ, पिता और दादी माँ ने बुलाया। मुझे पता था क्यों। उस रात जब मैं सोने के लिए लेटी, मैं ने फैसला लिया कि अब मैं कभी भी चोरी नहीं करुँगी, ना ही दादी माँ से, ना ही अपने माता-पिता से और ना ही किसी और से।

• • •

Senere den kvelden sendte mor, far og bestemor bud etter meg. Jeg visste hvorfor. Da jeg la meg til å sove den natten, visste jeg at jeg ikke kunne stjele igjen, ikke fra bestemor, ikke fra foreldrene mine, og definitivt ikke fra noen andre.

वह बाज़ार का दिन था। दादी माँ जल्दी उठी। वे हमेशा पके केलें और कासवा को बेचने बाज़ार जाती थी। मुझे उस दिन उनके घर जाने की जल्दी नहीं थी। लेकिन मैं उनसे ज्यादा दिन दूर नहीं रह सकी।

. . .

Neste dag var det markedsdag. Bestemor stod opp tidlig. Hun tok alltid med modne bananer og maniok for å selge på markedet. Jeg skyndte meg ikke for å besøke henne den dagen. Men jeg kunne ikke unnvike henne veldig lenge.

एक दिन मैंने देखा कि दादी माँ के घर के बाहर धूप में घास से बनी टोकरी रखी हुई है। जब मैं ने ये पूछा ये क्यों है तो मुझे बस इतना ही उत्तर मिला “यह मेरी जादुई टोकरी है।” टोकरी के बगल में बहुत सारे केलें के पत्तें थे जिन्हें दादी माँ समय-समय पर पलटती रहती थी। मैं जानना चाहती थी। “दादी माँ पत्तें किस लिए है?” मैंने पूछा। मुझे एक ही उत्तर मिला वह था, “ये जादुई पत्तें हैं।”

. . .

En dag så jeg en stor stråkurv som stod plassert utenfor huset til bestemor. Da jeg spurte hva den var ment for, fikk jeg svaret: “Det er den magiske kurven min.” Ved siden av kurven var det flere bananblader som bestemor snudde fra tid til annen. Jeg var nysgjerrig: “Hva bruker du bladene til, bestemor?” spurte jeg. Det eneste svaret jeg fikk, var: “De er de magiske bladene mine.”

दादी माँ, उनके केलों, केलों के पत्तों और उस बड़ी सी घास की टोकरी को देखना बड़ा ही मज़ेदार था। जरूरी काम से उन्होंने मुझे मेरी माँ के पास भेज दिया। “दादी माँ मुझे देखने दीजिए जो आप तैयार कर रही है...” “बच्ची, ज़िद्दी मत बनो, जो कहाँ गया है वो करो,” उन्होंने चेताया। मैं भाग गई।

• • •

Det var så interessant å se på bestemor, bananene, bananbladene og den store stråkurven. Men bestemor sendte meg av gårde til mamma for et ærend. “Bestemor, vær så snill, la meg få se på mens du forbereder ...” “Ikke vær så sta, jenta mi, gjør det du har blitt bedt om”, insisterte hun. Jeg sprang av gårde.

उसी दिन, जब दादी माँ बगीचे से सब्जियां तोड़ रही थी, मैं केलों को झाँक कर उनकी चोरी कर रही थी। सभी लगभग पक चुके थे। मैं चार से ज्यादा नहीं ले पाईं। जैसे ही मैं दबे पांव दरवाजे की तरफ़ चली, मैंने बाहर दादी माँ को खाँसते हुए सुना। मैंने जल्दी से केलों को कपड़ों के अंदर छिपाया और जल्दी से निकल गई।

• • •

Neste dag mens bestemor var i kjøkkenhagen og plukket grønnsaker, snek jeg meg inn og tittet på bananene. Nesten alle var modne. Jeg kunne ikke la være å ta en klase med fire. I det jeg listet meg mot døra, hørte jeg bestemor hoste utenfor. Jeg rakk så vidt å gjemme bananene under kjolen og gikk forbi henne.

उसी दिन जब वो मेरी माँ के पास आई, मैं एक बार फिर उनके घर भागी केलों को देखने के लिये। वहाँ पर बहुत सारे पके केलें थे। मैंने एक उठाया और उसे अपने कपड़ों में छिपा लिया। टोकरी को ढ़कने के बाद मैं घर के पीछे गई और जल्दी से उसे खा लिया। यह उन सभी केलों से मीठा था जो अब तक मैंने खाया था।

. . .

Neste dag, da bestemor kom for å besøke moren min, skyndte jeg meg av gårde til huset hennes for å sjekke bananene en gang til. Det var en klase veldig modne bananer der. Jeg tok én og gjemte den i kjolen min. Etter at jeg hadde dekket kurven, gikk jeg bak huset og spiste den fort. Det var den søteste bananen jeg noensinne hadde smakt.

जब मैं लौटी, दादी माँ बाहर बैठी थी पर वहाँ ना तो केलें थे और ना ही उसके पत्तें। “दादी माँ, टोकरी और सारे केलें कहाँ हैं, और कहाँ...” लेकिन मुझे एक ही उत्तर मिला कि “वे सब मेरे जादुई स्थान पर है।” यह उत्तर बहुत ही निराशाजनक था!

. . .

Da jeg kom tilbake, satt bestemor utenfor, men med verken kurven eller bananene. “Bestemor, hvor er kurven, hvor er bananene, og hvor ...” Men det eneste svaret jeg fikk, var: “De er på det magiske stedet mitt.” Det var så skuffende!

दो दिन बाद, दादी माँ ने मुझे अपनी छड़ी लाने के लिए अपने कमरे में भेजा। जितनी जल्दी से मैनें दरवाजा खोला वैसे ही पके केलों की तेज सुगंध ने मेरा स्वागत किया। अंदर के कमरे में दादी माँ का बड़ा सी घास की जादुई टोकरी थी। उसे पुराने कंबल से अच्छी तरह छुपाया गया था। मैंने उसे हटाया और मैंने लाजवाब सुगंध को सूंघा।

• • •

To dager senere ba bestemor meg om å hente stokken hennes fra soverommet. Så snart jeg åpnet døra, ble jeg møtt av den sterke lukten av modne bananer. I det innerste rommet var bestemors store magiske stråkurv. Den var godt gjemt av et gammelt teppe. Jeg løftet det og luktet på den vidunderlige duften.

दादी माँ ने जब मुझे आवाज लगाई तो मैं चौकी “क्या कर रही हो तुम? जल्दी से मेरी छड़ी लाओ।” मैं जल्दी से उनकी छड़ी ले कर आ गई। “किस लिए तुम मुस्कुरा रही हो?” दादी माँ ने पूछा। जब उन्होंने ने ये पूछा तब मुझे एहसास हुआ कि मैं अभी भी उनके जादुई स्थान को ढूढ़ने पर मुस्कुरा रही हूं।

• • •

Bestemors stemme skremte meg da hun ropte: “Hva holder du på med?” “Skynd deg og ta med stokken.” Jeg skyndte meg ut med stokken hennes. “Hva er det du smiler for?” spurte bestemor. Spørsmålet hennes fikk meg til å innse at jeg fortsatt smilte over oppdagelsen av det magiske stedet hennes.